बाप खिलाड़ी बेटी महाखिलाड़िन- 12

“कालगर्ल चुदाई कहानी में पढ़ें कि कैसे एक दोस्त ने दूसरे दोस्त बेटी को भी रंडी बना दिया. और एक दिन उसने अपने उसी दोस्त को बुला कर उसके सामने ही
… …”

Story By: Rakesh Singh (Rakesh1999)
Posted: Friday, July 3rd, 2020
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: बाप खिलाड़ी बेटी महाखिलाड़िन- 12

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बाप खिलाड़ी बेटी महाखिलाड़िन- 12

 यह कहानी सुनें

कालगर्ल चुदाई कहानी में पढ़ें कि कैसे एक दोस्त ने दूसरे दोस्त बेटी को भी रंडी बना दिया. और एक दिन उसने अपने उसी दोस्त को बुला कर उसके सामने ही …

दोस्तो, मैं राकेश कालगर्ल चुदाई कहानी के अन्तिम भाग के साथ हाजिर हूं.

इससे पहले वाले भाग में आपने पढ़ा कि कैसे रमेश ने रश्मि को लंड चूसने का ज्ञान दिया. मगर रश्मि पहले से ही एक्सपर्ट निकली.

रमेश ने उस कालगर्ल चुदाई करके उसको पूरा मजा दिया और उसके बाद वह भी एक पेशेवर कॉलगर्ल बन गयी. अब रश्मि भी रिया और रेहाना की तरह होटल्स में जाकर ग्राहकों को खुश करने लगी.

अब आगे की कालगर्ल चुदाई कहानी :

जब रतनलाल और रेहाना ने रिया को बताया कि अब रश्मि पूरी तरह से रंडी बन चुकी है तब रिया ने उसे रात को दो लोगों के लिए बुक कर लिया.

रिया ने ये बात अपने डैड को बताई तो रमेश ने रवि को कॉल करके कह दिया- आज रात होटल में आ जाना. मैंने एक मिस इंडिया टाइप की लड़की बुक कर रखी है जिसको देख कर ही तेरे मुंह में पानी आ जायेगा.

रवि तैयार हो गया और इधर रिया खुशी से झूम उठी. फिर उसके डैडी ने उसका चेक पास

कर दिया.
रात को रश्मि होटल में पहुंच गयी. रमेश वहां पर पहले से ही मौजूद था.

रूम में पहुंची तो रमेश ने दरवाजा खोला.
रमेश- हाय रश्मि। आ जाओ, मैं कब से तुम्हारा वेट कर रहा हूं।

रश्मि रूम के अंदर चली गयी.
उसकी खूबसूरती देखकर रमेश का लंड खड़ा हो गया.

रश्मि- क्या सर … आप इस तरह से क्यों देख रहे हैं जैसे पहली बार देख रहे हों।
रमेश- क्या करूँ … तुम चीज ही ऐसी हो। उस दिन कितना शरमा रही थी तुम और आज पहले से भी ज्यादा सेक्सी लग रही हो।
रश्मि- आप भी मस्त लग रहे हो। आपका दोस्त कहाँ है ?

रमेश- वह आता ही होगा। जल्दी से अब कपड़े उतारो। मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रहा है. जब तुम्हारे जैसी मस्त लड़की मेरी बांहों में है तो मैं इंतजार नहीं कर सकता हूं। हम लोग जल्दी जल्दी एक राउंड कर लेते हैं क्योंकि कुछ ही देर में मेरा दोस्त आने वाला है. उसके आने के बाद तो तुम्हारी हालत खराब हो जाएगी क्योंकि वह बहुत ही ठरकी टाइप का है।

रमेश ने रश्मि को पूरी तरह से नंगी कर दिया और खुद भी अपने कपड़े उतार कर नंगा हो गया. उसने रश्मि को घुटनों के बल बैठा दिया और उसको लंड चूसने के लिए कहा.

रश्मि धीरे-धीरे उसके लंड को चूसने लगी. रमेश का लंड पूरी तरह से रश्मि के मुँह में अंदर बाहर होने लगा. तभी रूम में रवि भी आ गया. रवि अपनी बेटी रश्मि को रमेश का लंड चूसते देखकर पूरी तरह से शॉक हो गया.

रश्मि और रवि दोनों एक दूसरे को हैरत से देखते रह गये.

रमेश- क्या हुआ होश उड़ गए ना ? मेरा हाल भी ऐसे ही हुआ था इसको देख कर। रतन ने सच ही कहा था बहुत ही कड़क माल है.

रवि कुछ बोल नहीं पा रहा था.
रमेश- रवि ? रवि कुछ बोलता क्यों नहीं तू ?
रवि को कुछ सूझ ही नहीं रहा था कि वह क्या बोले.
मगर रश्मि फिर से रमेश का लंड चूसने में लग गयी. रमेश के मुंह से सिसकारियां निकलने लगीं.

अपनी बेटी को रंडियों की तरह अपने दोस्त रमेश का लंड चूसते देख कर रवि को गुस्सा आ गया और उसने रश्मि की सारी गर्मी निकाल देने की ठान ली.

मन ही मन वो बोला- अगर यह रंडी बन ही गयी है तो मैं भी आज इसे अपनी मर्दानगी दिखा ही देता हूं. पता तो चलेगा कि बाप की इज्जत कैसे उछाली जाती है !

रवि- क्या ये रंडी हम दोनों के लंड ले सकेगी ? आज तो मैं इसकी चूत और गाँड का भोसड़ा बना दूंगा।
रवि की बात सुन कर रमेश खुश हो गया और रश्मि बिल्कुल सरप्राइज रह गयी.

बाप का ताव देख कर रश्मि को भी जोश आ गया. उसने भी ठान लिया कि वो अपने बाप के सामने अपना असली रूप आज दिखा ही देगी. वो रांड बन कर दोनों के लंड से चुदेगी.

रमेश- ठीक है, अब मुझसे रुका नहीं जा रहा. जल्दी से आजा रवि. मैं इस सेक्सी रंडी की चूत मारने के लिए मरा जा रहा हूं.
फिर वो रश्मि से बोला- ऐ रंडी … मेरे दोस्त को अपना नाम तो बता दे ?

रश्मि ने रवि की ओर देखा और बोली- रश्मि … नाम है मेरा।

रमेश हंसने लगा और बोला- रवि तू उस दिन कह रहा था न कि उस दिन वाली लड़की वो रिया रंडी हमारी बेटी की उम्र की है और उसका नाम भी मेरी बेटी का नाम था। ये ले … आज देख ले। इसका नाम भी तेरी बेटी वाला ही है. रवि अब इसे तू अपनी बेटी ही समझ कर चोद।

रवि मन ही मन बोला- सोचना क्या है साले, ये तो असल में ही मेरी बेटी है.
फिर रवि बोला- उस दिन तेरी बेटी को हम दोनों ने चोदा था। ले आज यहाँ तो मेरी ही बेटी आ गयी (मतलब नाम वाली लड़की). चल ठीक है आज दोनों मिलकर निकाल देते हैं इस रंडी की हेकड़ी।

इतना कह कर रवि अपनी शर्ट उतारने लगा. फिर उसने अपनी पैंट भी खोल दी. अब वो अंडरवियर में था. उसका लौड़ा अब सेक्स की बातें होने के बाद धीरे धीरे तनाव में आ रहा था. उसने अपना अंडरवियर अपनी बेटी को दिखाते हुए उतार दिया और उसका अधसोया लंड रश्मि की आंखों के सामने लटकने लगा.

रश्मि हैरत से अपने बाप के लंड को देखने लगी. उसका लंड काफी मोटा और लम्बा था. रमेश और रवि के लंड का साइज लगभग एक जैसा ही था. रश्मि की चूत में आज दो दो मोटे और लम्बे खीरे जैसे लंड जाने वाले थे जिसके बारे में सोच कर ही उसके बदन में पसीना आने लगा था.

तभी रवि आगे बढ़ा और रश्मि को पकड़ कर उसकी ब्रा को खोल दिया. रश्मि भी एक्शन में आ गयी और उसने अपनी पैंटी खोल दी. बेड पर लेट कर उसने अपनी टांगों को ऊपर करके अपनी पैंटी निकाल दी और उसकी गांड में हवा में ऊपर आ गयी.

इतने में ही रवि उत्सुकतावश रश्मि के पास आ गया और उसकी चूत और गांड के छेद को ध्याने से देखने लगा. रश्मि की गांड का छेद बहुत छोटा सा था जो एकदम से सिकुड़ कर

चिपका हुआ था.

रश्मि की चूत बहुत ही प्यारी थी. रवि उसकी चूत पर ऐसे नजरें गड़ाए हुए था जैसे कि उसकी चूत के अंदर घुसने का रास्ता ढूंढ रहा हो. जो बेटी उसकी नजरों के सामने बड़ी हुई थी वो आज उसके सामने रंडी बन कर नंगी लेटी हुई थी.

तभी रश्मि बोली- क्या देख रहे हो सेठ ? कभी लड़की के छेद नहीं देखे क्या ?
रवि- देखे हैं, मगर ऐसे रसीले छेद नहीं देखे हैं.
रश्मि- इन छेदों को कम न समझना सेठ. तुम दोनों के लौड़े आराम से अंदर ले सकते हैं ये छेद।

तभी रमेश ने रश्मि की गांड पर एक जोरदार चाँटा मारते हुए कहा- रंडी, तूने भी हमें अभी देखा ही कहाँ है ? आज तेरी ऐसी चुदाई करेंगे कि तुझे तेरी रंडी माँ याद आ जाएगी।

तब तक रवि बेड पर चढ़ गया और रश्मि उसे देख कर मुस्कुरा दी. उसने झट से कुतिया बन कर रवि के लंड को पकड़ लिया. लंड को उसने एक दो बार सहलाया और फिर अपने मुंह में लेकर चूसने लगी.

रमेश ने झुक कर अपने दोनों हाथों से रश्मि की गांड को फाड़ कर देखा और फिर उसकी चूत पर मुंह लगा दिया. ऊपर से नीचे जाते हुए वो उसकी चूत और गांड दोनों का रस चाटने लगा.

इतने में ही रवि ने रश्मि का सिर अपने लंड पर दबा दिया और अपनी कमर आगे-पीछे करते हुए अपने लंड को रश्मि के गले तक उतारने लगा. रश्मि के मुंह में रवि का लंड बुरी तरह से फंस गया. वो गूं-गूं.. करने लगी और उसे उबकाई होने लगी. मगर रवि ने लौड़ा घुसाए रखा.

फिर उसने एकदम से अपनी पकड़ ढीली कर दी और रश्मि ने लंड को बाहर फेंक दिया। वो जोर जोर से खांसने लगी और उसका चेहरा लाल हो गया. वो तेजी से सांस लेते हुए हाँफ रही थी.

रमेश लगातार रश्मि की चूत और गांड में कुत्ते की तरह चाटने में लगा हुआ था.
रमेश- रवि, एक बार अपनी बेटी की चूत और गांड … मेरा मतलब इस रश्मि रंडी की चूत और गांड को चाट कर तो देख. इसकी चूत और गांड का स्वाद तो बहुत गजब है.

रवि- अच्छा, ठीक है, तो फिर तू हट, मुझे चाटने दे.
अब रवि ने अपनी बेटी की चूत और गांड को ऐसे ही चाटना शुरू कर दिया.

रश्मि सिसकारने लगी- आह्ह डैडी… आह्ह… चूसो … चाटो… आह्ह !
रमेश- ये ले रवि, इसने तो सच में तुझे अपना बाप बना लिया !

रश्मि- रमेश सेठ, जब तू अपनी बेटी समान लड़की की चूत चोद कर मजा ले सकता है तो फिर ये अपनी बेटी समान रंडी की चूत नहीं चोद सकते क्या ?
रवि- बात तो सही कह रही है रमेश ये।

रमेश- हां बहुत ही चुदक्कड़ लग रही है. लगता है कि ये शायद अपने बाप का लंड भी जरूर लेती होगी घर में।
रमेश ने अब रश्मि के मुंह के सामने अपना लंड कर दिया और रश्मि ने मुंह खोल कर रमेश के लंड को पूरा अंदर ले लिया और चूसने लगी. पीछे से रवि ने उसकी चूत और गांड में मुंह देकर उसको चाटना शुरू कर दिया.

रवि- आह्ह … उम्म … म्मच … पुच्चच … आह्ह … अम्मम … इतनी टेस्टी गांड … आह्ह … और इसकी चूत के रस की तो बात ही क्या. पता नहीं इसकी मां ने कौन सा शहद

खाकर इसको पैदा किया था. साली इतनी मीठी चीज पैदा की है.

रश्मि मस्ती में रमेश का लंड चूस रही थी. इतने में ही उत्तेजना में आकर रवि ने अपनी बेटी की गांड में उंगली दे दी और वो एकदम से बिदक गयी. इसी दौरान उसके दांत रमेश के लंड पर गड़ गये और लंड पर काटे जाने से रमेश उछल कर एक तरफ जा पड़ा.

रवि हंसने लगा और ठहाका मारते हुए बोला- क्या हुआ बे ? लंड को खा गयी क्या ये लंडखोर ?
रमेश अपने लंड पर लगे दांत के दर्द को सहला सहला कर कम कर रहा था.

फिर उसे गुस्सा आया और वो उठ कर रश्मि के पास आया. उसने उसके बालों को पकड़ लिया और अपना लंड उसके मुंह में घुसा कर जोर जोर से पेलने लगा. रश्मि गूं-गूं की आवाज करते हुए छटपटाने लगी. मगर रमेश अंधाधुन उसके मुंह में धक्के लगाता रहा.

अपनी बेटी के मुंह में अपने दोस्त का लंड इस तरह से जाता देख कर रवि को भी मजा आ रहा था. रवि ने एक बार फिर से रश्मि की गांड में उंगली दे दी और उसकी गांड को उंगली से चोदने लगा.

रश्मि का मुंह लाल हो गया था. रमेश अभी भी लंड की पिलाई उसके मुंह में कर रहा था. कुछ देर ऐसे ही जोर जोर से अपना लंड उसके मुंह में पेलने के बाद रमेश के लंड से वीर्य निकल गया और उसने सारा वीर्य रश्मि के मुंह में भर दिया.

जब तक रश्मि उसके माल को अंदर न गटक गयी तब तक उसने लंड को मुंह से बाहर नहीं निकाला. जब लंड बाहर निकला तो रश्मि मुस्करा रही थी.
रमेश देख कर हैरान था कि इतने बुरे तरीके से मुंह चोदने के बाद भी ये मुस्करा रही थी. वो सच में बड़ी रांड बन गयी थी.

अब रवि ने अपनी बेटी की चूत में थूक दिया और अपने लंड को उसकी चूत के छेद पर सेट कर दिया. उसने उसकी गांड को थामा और अपना लंड उसकी चूत में पेल दिया.

उसकी गांड को पकड़े हुए वो उसकी चूत चुदाई करने लगा. रश्मि की चूचियां आगे पीछे होने लगीं. रवि ने रश्मि के बालों को पकड़ लिया और दोगुनी ताकत से अपनी बेटी की चूत चोदने लगा. ऐसा लग रहा था कि वो उसके रंडीपने की सजा उसको दे रहा था.

रमेश भी ये देख कर खुश हो रहा था कि कैसे रवि अपनी ही बेटी की चूत को फाड़ने में लगा हुआ है. थोड़ी देर चोदने के बाद रवि ने अपना लंड उसकी चूत से निकाल लिया.

अब रमेश बेड पर आकर लेट गया. उसका लंड अभी सोया हुआ था. रश्मि ने बिना कहे ही रमेश के लंड को मुंह में भर लिया और चूसने लगी. पांच मिनट तक लंड चूसने के बाद रमेश का लंड एक बार फिर से टाइट होने लगा.

जब पूरा लंड तन गया तो रश्मि ने उसके लंड को हाथ में पकड़ा और उसकी सख्ती को जांच कर अपनी टांगों को उसकी जांघों के ऊपर फैलाती हुई चूत को उसके लंड पर सेट करके बैठने लगी.

बैठते हुए रश्मि ने रमेश के लंड को अपनी चूत में उतार लिया और उसके लंड पर कूदने लगी. इधर रवि ने अब फिर से अपनी बेटी के मुंह में लंड पेल दिया. रश्मि रमेश के लंड से चुदते हुए रवि के लंड को चूसने लगी.

दोनों मर्दों के मुंह से निकलने वाली सिसकारियों से होटल का रूम गूंज उठा. कुछ देर तक ऐसे ही चुदाई और चुसाई चलती रही. उसके बाद रश्मि उठ गयी.

अब वो बेड पर करवट लेकर लेट गयी. रमेश भी उसकी ओर घूम गया. रमेश का लंड रश्मि की चूत की ओर था. रश्मि ने रमेश के होंठों पर अपने होंठ रख दिये और उसकी लार को

खींचते हुए उसके होंठों का रसपान करने लगी.

ये नजारा देख कर रवि भी रश्मि के पीछे आ गया. वो रश्मि की पीठ की ओर अपना मुंह करके लेट गया. उसने अपने लंड को उसकी नर्म नर्म गोरी गांड की दरार में घुसा लिया और उसकी चूचियों को भींचते हुए उसकी गर्दन पर किस करने लगा.

रश्मि दोनों के बीच में आ गयी थी. आगे से रमेश का लंड उसकी चूत में टकरा रहा था और पीछे से उसके बाप रवि का लंड उसकी गांड में घुसने के लिए मुंह मार रहा था.

जब रमेश और रवि से रुका न गया तो रमेश ने आगे से अपना लंड उसकी चूत में घुसा दिया. फिर रवि ने भी पीछे से रश्मि की गांड में लौड़ा पेल दिया. दोनों धक्के लगाने लगे और रश्मि मदहोश होने लगी.

वो कभी रमेश के होंठों को तो कभी उसकी गर्दन को और कभी उसकी छाती को चूमती. फिर कभी पीछे मुड़कर रवि के होंठों को चूस कर फिर से रमेश के होंठों को चूसने लगती.

दो दो लंड लेते हुए रश्मि पांच मिनट से ज्यादा नहीं टिक पायी और उसकी चूत के गर्म गर्म पानी ने रमेश के लंड को भिगो दिया. अब रमेश का लंड पच-पच करता हुआ उसकी चूत में चोदने लगा.

रवि भी इस आवाज से और ज्यादा जोश में आ गया. वो रश्मि की गांड को फाड़ने लगा. कुछ ही देर में वो दोनों झड़ने के कगार पर पहुंच गये. रवि जोर जोर से उसकी चूचियों को मसलने लगा और उसके निप्पलों को काटने लगा.

इधर रमेश ने उसकी गांड को भींचना शुरू कर दिया. उसके हाथ पर कभी कभी रवि का लंड भी लग जाता था. दोनों रेल के इंजन की तरह आगे और पीछे से रश्मि की चूत और गांड को पेल रहे थे.

फिर दोनों जोर जोर से चीखते हुए झड़ने लगे- आह्हह … ओहह … हाहाहह … आहह्ह्ह … याह्हह … हम्म … हुह … करते हुए दोनों ने ही रश्मि के दोनों छेदों को आगे और पीछे से भर दिया.

उसके बाद तीनों थक कर लेट गये. किसी को होश नहीं रहा. आधे घंटे तक वो पड़े रहे.

उसके बाद रमेश ने फिर से रश्मि की चूत को उंगली से कुरेदना शुरू कर दिया. अब रवि भी शरारत करते हुए अपनी बेटी की गांड के छेद पर उंगली फिराने लगा.

रश्मि की गांड दुख रही थी. फिर भी वो बाप की उंगली का मजा गांड में ले रही थी. थोड़ी देर तीनों एक दूसरे के जिस्मों को सहलाते चाटते रहे और तीनों ही फिर से गर्म हो गये.

रवि उठा और उसने रश्मि के हाथ को खींच कर रश्मि को अपने साथ उठा लिया. उसने रश्मि को दीवार के सहारे लगा लिया और अपना लंड उसके हाथ में दिया. हाथ में लंड आते ही रश्मि उसकी मुठ मारने लगी. रवि उसके होंठों को पीने लगा.

ये देख कर रमेश से रहा न गया. वो उठ कर उन दोनों के पास गया. तब तक रवि ने आगे से रश्मि की चूत में अपना लंड दे दिया था. वो उसकी चूत को चोदने लगा. अब रमेश को जगह नहीं मिल रही थी.

फिर उसने रश्मि को आगे की ओर लाते हुए रमेश को दीवार की तरफ कर दिया. अब रवि की पीठ दीवार से सट गयी और रश्मि का मुंह रवि की तरफ हो गया. पीछे से रमेश ने रश्मि की गांड पर लंड लगा दिया और उसको अंदर घुसाने की कोशिश करने लगा.

रमेश ने रश्मि को गांड थोड़ी ऊपर उठाने के लिए कहा. रश्मि ने वैसा ही किया और उसकी गांड अब रमेश के लंड के निशाने पर आ गयी. रमेश ने झटके से उसकी गांड में लंड घुसा दिया और उससे चिपक गया.

अब रवि के लंड के धक्कों के साथ रिदम बनाते हुए रमेश ने रश्मि की गांड की चुदाई शुरू कर दी. आगे से रश्मि रवि के लंड से अपनी चूत चुदवा रही थी और पीछे से रिया के बाप रमेश से अपनी गांड पिलवा रही थी.

दो दो लंड की मस्ती में आकर रश्मि ने खुद ही अपनी एक टांग ऊपर उठा ली. ऐसा करने से अब उसके दोनों ही छेदों में दो मर्दों के लंड ज्यादा अंदर तक जाने लगे. दीवार से लगे हुए रवि का लंड उसकी चूत में घुस कर उसको मजा दे रहा था और पीछे से रमेश का लंड उसकी गांड में मजा दे रहा था.

माहौल इतना कामुक हो गया कि तीनों के मुंह से जोर जोर की सिसकारियां निकलने लगीं. रवि- आह्ह … फक यू … आह्ह … फाड़ दूंगा तेरी चूत को … ये ले साली रांड … और ले … आह्ह … ऐसे ही चुदती रह मेरे लंड से … तेरी चूत का भोसड़ा कर दूंगा आज मैं … आह्ह ले … और ले साली … रंडी बनने का शौक पूरा कर तू।

रमेश- हाय … रंडी … आह्ह … तेरी गांड … आह्ह् क्या गांड है साली … ऐसी गांड को तो मैं दिन रात चोदता रहूं … आह्हह ले ले पूरा लंड … अपनी गांड में साली … आह्ह चुद मेरे लंड से…. आहह्ह और चुद … लंडखोर रंडी … आह्ह ले चुद … और चुद।

रश्मि- आईई … अहाह … आहह … फक मी … और तेज डैडी. आह्हह रमेश अंकल मेरी गांड … आह्ह मेरी गांड … फाड़ दो मेरी गांड … ये आपका लंड खाना चाहती है … आह्ह … और जोर से चोदो … आह्ह और जोर से। चोद चोद कर फाड़ दो मुझे … मेरे चिथड़े कर दो … आहह्ह मुझे रंडी बना कर चोदो दोनों।

इतने गर्म माहौल में रश्मि ज्यादा देर टिक नहीं पाई और एक बार फिर से उसकी चूत से पानी का फव्वारा निकल पड़ा जिसने रवि के लंड को पूरा सराबोर कर दिया उसकी चूत के रस में।

अब रवि और रमेश भी दोनों झड़ने वाले थे.
रमेश- आआह … रंडी. मैं झड़ने वाला हूँ. नीचे बैठ कर जल्दी अपना मुंह खोल साली कुतिया।

अब रश्मि अपने घुटनों पर बैठ गयी और मुंह खोल कर रश्मि ने अपने होंठों को उन दोनों के लौड़ों के सामने कर दिया.
दोनों मर्द अपने हाथों से अपना-अपना लंड हिलाने लगे.

कुछ पल के बाद ही रमेश झड़ने लगा- आह्ह … आ गया … आह्ह आया … आह्ह्ह ये ले … रंडी आह्ह्ह … हाह्ह्ह … ओह्ह … करते हुए रमेश ने अपना माल रश्मि के मुंह पर गिराना शुरू कर दिया. रश्मि ने सारा वीर्य अपने मुंह में ले लिया.

अब रवि भी झड़ने लगा और उसने एकदम से अपना लंड रश्मि के मुंह में दे दिया. उसके बालों से उसके सिर को खींच कर अपने लौड़े पर दबा दिया. तभी उसके बदन में झटके लगने लगे.

रवि के वीर्य की पिचकारी रश्मि के गले को भिगोते हुए उसके पेट तक जाने लगी. रश्मि ने अपने बाप का सारा वीर्य अंदर पेट में गटक लिया.
रमेश- साली सच में तू कड़क माल है।
रवि- हां, रिया से भी ज्यादा कड़क.

फिर तीनों आराम करने लगे. कुछ देर आराम करने के बाद रमेश और रवि फिर से रश्मि की चुदाई करने लगे.

इस बार रमेश जानबूझ कर रश्मि को जलील करते हुए पेलने लगा. वो जानता था कि रश्मि रवि की बेटी है और यही उसका मकसद था कि वो रवि की बेटी को रंडी बना कर

उसके बाप के सामने ही पेले.

रात के 3 बजे तक दोनों ने पेल पेलकर रश्मि की चूत और गांड फैला दी.

अगले दिन रिया रश्मि से मिली और पूछने लगी- अपने डैड से चुदवा कर कैसा लगा ?
रश्मि- क्या बोल रही है ? मैं अपने डैड से क्यों चुदवाऊंगी ?
रिया- मुझे मालूम है कि कल तुमको मेरे डैड और तुम्हारे डैड ने जी भर कर चोदा है. रतनलाल ने बताया था मुझे। चिंता मत करो। मैं किसी को नही बताऊंगी क्योंकि वो दोनों मुझे भी एक साथ चोद चुके हैं।

रश्मि- क्या मेरे डैड को मालूम है कि तुम उनके दोस्त रमेश की बेटी हो। रिया- नहीं। तुम्हारे डैड को मालूम नहीं लेकिन मेरे डैड को मालूम है कि तुम उनके दोस्त रवि की बेटी हो।

फिर दोनों मिलकर प्लान बनाती हैं कि आज दोनों दोस्तों को भी शर्मिंदा करना चाहिए।
रिया- रश्मि तुम अपने डैड को लेकर ज़ी-मॉल में चलो। मैं भी अपने डैड को लेकर आती हूँ। आज दोनों को सरप्राइज़ कर देते हैं।

कुछ देर बाद रिया अपने डैड को लेकर जी मॉल गयी और एक मोड़ पर रवि और रश्मि मिल गये.
रिया- रश्मि … इनसे मिलो। ये मेरे डैड रमेश हैं।
रश्मि- और रिया … ये मेरे डैड रवि।

रमेश और रवि बुरी तरह चौंक गये और दोनों ने अपनी गर्दन झुका ली. उसके बाद रिया और रश्मि दोनों ही पक्की दोस्त बन गयीं. रिया का चेक भी पास हो गया था. उसने वादे के मुताबिक रेहाना और रतनलाल को उनका इनाम दे दिया.

मगर उस दिन के बाद रश्मि और रिया ने मन बना लिया कि वो अब ये गंदा धंधा नहीं करेंगी और साफ सुथरी जिन्दगी का मजा लेंगी.

दोस्तो, कालगर्ल चुदाई कहानी आपको कैसी लगी, अपने कमेंट्स और मेल के द्वारा जरूर बतायें. आप सभी पाठकों की प्रतिक्रियाओं को बेसब्री से इंतजार रहेगा.
singh.rakesh787@gmail.com

Other stories you may be interested in

बाप खिलाड़ी बेटी महाखिलाड़िन- 11

Xxx न्यू गर्ल स्टोरी में पढ़ें कि एक कॉलेज गर्ल पैसे के लालच में होटल में रंडी बनकर चुदाई करवाने आ गयी. वहां अपनी बाप के उम्र के मर्द से उसकी चूत गांड चुदाई कैसे हुई ? कैसे हो दोस्तो, मैं […]
Full Story >>>

बाप खिलाड़ी बेटी महाखिलाड़िन- 10

सेक्स फॉर कैश हिंदी स्टोरी में पढ़ें कि कैसे एक आदमी ने अपने दोस्त की बेटी को एक रंडी और उसके दल्ले की मदद से पेड सेक्स के जाल में फंसाया. नमस्कार दोस्तो, मैं राकेश एक बार फिर से इस […]
Full Story >>>

मेरी चूत गांड को रोज लंड चाहिए-1

लेखक की पिछली हॉट सेक्सी कहानी : मैं बनी स्कूल की नंबर वन रंडी मेरी हॉट सेक्सी कहानी में पढ़ें कि मैंने स्कूल में टीचर, लड़कों से सेक्स फॉर फ्री मतलब खूब चुदाई करवाई. पढ़ाई ख़त्म होने पर मेरी चूत गांड […]
Full Story >>>

बाप खिलाड़ी बेटी महाखिलाड़िन- 9

इस सेक्स कहानी में पढ़ें बाप बेटी का गंदा सेक्स. बाप ने रिया का चुदक्कड़ बेटी वाला रूप देखा था. मगर बाप ने अपनी जवान बेटी से अपनी वो गंदी मनोकामनायें पूरी की जो वो अपनी बीवी से नहीं कर […]
Full Story >>>

मेरी गांड एक बड़े लंड के नाम- 2

दोस्तो, आपने मेरी अब तक की एनल सेक्स स्टोरी के पहले भाग मेरी गांड एक बड़े लंड के नाम- 1 में पढ़ा था कि अनिल भैया मेरी गांड मारने के लिए मुझे लंड चुसा कर तैयार कर रहे थे. अब […]
Full Story >>>